

प्रेमना,

मिजरा कुमार डोडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
देहरादून।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून दिनांक 25 अक्टूबर, 2007

विषय :- वित्तीय वर्ष 2007-08 में विभिन्न मदों / योजनाओं में प्राविधानित धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के पत्र संख्या-599(1)/XXXII(1)/2007 दिनांक-12-7-2007 एवं शासनादेश संख्या-182/VI-1/2007-2(19)/2007 दिनांक-4-4-07, शासनादेश संख्या- 373/VI-1/2007-2(19)/2007 दिनांक-24 अगस्त 2007 तथा शासनादेश संख्या-385/VI-1/2007-2(19)2007 दिनांक-30 अगस्त 2007, के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संस्कृति विभाग, उत्तराखण्ड के वित्तीय वर्ष 2007-08 के आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि में रु० 21093000.00 (रुपये दो करोड़ दस लाख तिरासठ हज़ार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संलग्न विवरणानुसार श्री राज्यपाल महोदय आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बंध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-599(1)/XXVII(1)2007 दिनांक-12-7-2007 में विहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा अनुमानबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त किया जायेगा। गितव्ययता मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट गैनुअल या वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के लिए बजट गैनुअल या वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सहाय अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

3. धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में गितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में विहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

4. धनराशि का एक मुश्त आहरण न करके आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की समय सारिणी बनाकर ही आहरण किया जायेगा। आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना वी०एम०-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जायेगी।

5. धनराशि का किसी भी दशा में व्ययार्जन नहीं किया जायेगा। धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में गितव्ययता के सम्बंध में राग्य-राग्य पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासक तथा महालेखकार को नियमित रूप से भेजे।

6. धनराशि का आहरण परिव्यय की सीमान्तर्गत ही किया जाय, किसी भी दशा में धनराशि का आहरण परिव्यय एवं बजट व्यवस्था की सीमा से अधिक नहीं किया जायेगा।

7. एतद् संलग्नक नं० क्रमांक—'४' पर अर्जित विभिन्न योजनाओं में धनराशि स्वीकृत पूर्ण प्रस्ताव बनाकर शासन स्तर से अनुमति प्राप्त कर ही व्यय किया जायेगा। निर्माण कार्य सम्बंधी प्रकरणों में आगमन तैयार कर अनिवार्य रूप से शासन से परीक्षणोपरान्त नितीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करते हुए व्यय की स्वीकृति प्राप्त की जायेगी।

B. इस सत्रमें में होने वाला सत्र निम्नीय वर्ष 2007-08 उपर्युक्त अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2205 के आयोजनागत भत्ता के विभिन्न मानक मदों के नामें संलग्न विवरणानुसार डाला जायेगा।

9. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अधिन ५८ संख्या-529 (पी)/वित्त-(3)/2007 दिनांक-22 अक्टूबर 2007 में प्राप्त उम्मीद सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भारतीय, 12/11/20

(विषय कुम्हार छोड़ियाल)
अपर सदस्य

प्रमाणिका संख्या:- ६१७३ / VI-I/2007, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सुमनाथ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं इकादारी, साधारणपुर रोड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन को मा० मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ प्रेषित किने जाने हेतु।
3. निजी सचिव, मा० संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन को मा० मंत्री जी के अवलोकनार्थ प्रेषित किने जाने हेतु।
4. अपर सचिव, गित्त, उत्तराखण्ड शासन।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. गित्त अनुपाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
7. एन.आई.सी, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
8. आई फाईल।

आज्ञा से
(एसओएसओवल्डिया)
उप सचिव

शासनादेश संख्या- 429 / VI-I / 2006-2(19)2007 का संलग्नक
आयोजनागत

(क) 2205-कला एवं संस्कृति-00-001-निदेशन तथा प्रशारण-03-सांस्कृतिक कार्य निदेशालय-00- (धनराशि हजार रुपये)	
04-यात्रा व्यय	
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	18
07-मानदेय	40
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	15
16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	50
25-लघु निर्माण कार्य	100
29-अनुरक्षण	100
42-अन्य व्यय	100
45-अवकाश यात्रा व्यय	1833
46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर का क्रय	50
योग	50
(ख) 2005-कला एवं संस्कृति-00-101-सलित कला शिक्षा-03-मातखण्डे हिन्दुरतानी संगीत महाविद्यालय-00 (धनराशि हजार रुपये में)	2356
02-मजदूरी	
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	1
07-मानदेय	20
08-कार्यालय व्यय	5
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	100
16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	50
18-प्रकाशन	100
21-छात्रवृत्तियाँ और छात्रवैतन	25
22-आतिथ्य व्यय विषयक भत्ता आदि	10
25-लघु निर्माण कार्य	10
29-अनुरक्षण	100
44-प्रशिक्षण व्यय	100
45-अवकाश यात्रा व्यय	30
योग	25
(ग) 2205-कला एवं संस्कृति-00-102-कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन-04-स्व0 गोविन्द बल्लभ पन्त लोक कला संस्थान-00 (धनराशि हजार रुपये में)	576
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	
07-मानदेय	1
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	2
44-प्रशिक्षण व्यय	10
योग	10
(घ) 2205-कला एवं संस्कृति-00-103-पुरातत्व विज्ञान-03-पुरातत्व अधिष्ठान-00 (धनराशि हजार रुपये में)	23
27-विकेन्द्रा व्यय प्रतिभूति	
29-अनुरक्षण	300
42-अन्य व्यय	200
योग	167
(ङ) 2205-कला एवं संस्कृति-00-104-अगिलेखागार-03-राज्य अभिलेख-00-	667

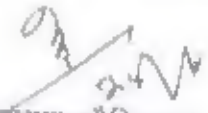
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	20
07-मानदेय	10
08-कार्यालय व्यय	100
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	10
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	50
16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	100
18-प्रकाशन	50
26-गर्मीने और सज्जा/उपकरण और संयंत्र	100
44-प्रशिक्षण व्यय	10
45-अवकाश यात्रा व्यय	25
46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का काम	100
47-कम्प्यूटर अनुस्थापन/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का काम	25
योग	600

(न) 2205-कला एवं संस्कृति-00-107 संग्रहालय-03-अभिज्ञान व्यय-00 (घनराशि हजार रुपये में)

02-मजदूरी	1
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	1
07-मानदेय	4
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	20
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	50
16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	100
18-प्रकाशन	25
25-लघु निर्माण कार्य	50
29-अनुस्थापन	100
44-प्रशिक्षण व्यय	20
45-अवकाश यात्रा व्यय	25
46-कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का काम	50
47-कम्प्यूटर अनुस्थापन/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का काम	25
योग रुपये	471

10-102-कला एवं संस्कृति का सम्बर्द्धन-01के आयोजना/केन्द्र पुरोधानित को	250
102 अभिलेखीय सुखा, पुस्तक संग्रहालय हेतु सहा-20सहायक अनु/अंश/राजसहायता	2000
103 क्षेत्रीय एवं स्थानीय संग्र. का उन्नयन एवं सुदृढीकरण हेतु वित्तीय सहायता-20 सहायक अनु/अंशदान/राजसहायता	100
104 सांस्कृतिक गतिविधियों के शोध कार्य हेतु सहा-20सहायक अनु/अंश/राजसहायता	100
105 अभिलेखित एवं व्यावसायिक समूहों को निशेष्ट प्रदर्शन कला परि. हेतु वित्तीय सहायता-20सहा. अनु/अंशदान/राजसहायता	100
106 हिमालयी क्षेत्र की सा. धरोहरों का संरक्षण एवं उन्नयन-20सहा. अनु/अंश/रा.सहा.	100
107 जनजा लोक कला का उन्नयन एवं विमरस-20सहायक अनु/अंशदान/राज सहा.	100
108 गैर सरकारी सा.संगठनों को भवन उप. हेतु अनु-20सहायक अनु/अंशदान राज सहा.	100
109 विभिन्न सांस्कृतिक विधाओं में कार्य कर रहे नव कलाकारों को छात्रवृत्ति-20सहायक अनु/अंशदान/राजसहायता	100
110 कला एवं अन्य विधाओं से जुड़े ऐसे विपन्न कलाकारों तथा उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता 20सहायकअनु/अंशदान/राजसहायता	100
111 प्रदर्शनकारी कलाओं, साहित्यिक एवं दृश्य कलाओं के क्षेत्र में कार्य कर रहे निशेष्ट कलाओं को वित्त एवं वरिष्ठ फेलोशिप-20सहायक अनु/अंशदान/राजसहायता	100
2205-102 कला एवं संस्कृति का सम्बर्द्धन-	0

03 स्वायत्तशासी संस्थाओं को अनुदान-20सहायक अनु /अंशदान /राजसहायता	2850
06 साहित्यिक कला परिषद की स्थापना-20सहायक अनु /अंशदान /राजसहायता	1000
07 मासिक उत्सव में कलाकार तथा तकनीकी योगदान-02 मजदूरी	1000
13 तदयशंकर नृत्य अकादमी 20 राज /अंशदान /राजसहायता	500
15 अंतराज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम- 42 अन्य व्यय	500
17साहित्यिक कृतियों के प्रकाशकों को सहायता-20 सहा.अनु /अंशदान /राजसहायता	1000
27संरक्षित स्मारकों एवं प्राचीन भवनों का संरक्षण-29 अनुदान	5000
91-बड़ी कैदार उत्सव-42 अन्य व्यय	1500
योग	16400
महायोग	21093


 (विजय कुमार चौधियाल)
 अपर सचिव